We Promote N.H.M. Run By Govt. Of India
सी.एम.एस.ई.डी. ग्रामीण स्वास्थ्य शिक्षण संस्थान लखनऊ (उ.प्र.)
Affiliated by - BSS (National Health Agency of India) Code - UP/8134A
Established in 1952
By Planning Commission, Govt. of India, New Delhi
& Affiliated by I.R.M.C. Delhi (Code-IRMCCMS9941) Web. : www.irmc.in

श्वसन तंत्र (Respiratory System)

स्निग्धकारक, विसंकुलक, श्लेष्मलायी, कफ निस्सारक व कासरोधक

(Demulscents, Decongestants, Mucolytics, Expectorants and Antitussives)

- खांसी एक रक्षात्मक शारीरिक प्रतिक्रिया है जो श्वसन-नली में उपस्थित ग्राही अंगों के उत्तेजित होने से उत्पन्न होती है।
- खांसी के फलस्वरूप श्वसन मार्ग में स्थित कण, स्राव व हानिकारक पदार्थ बाहर निकाल दिए जाते हैं।
- सूखी खांसी, जो हानिकारक पदार्थों को या तो बहुत कम मात्रा में बाहर निकाल पाती है या बिल्कुल नहीं निकालती, के लिए उपचार आवश्यक होता है।

✓ खांसी के उपचार हेतु कफ सीरप प्रयोग में लाए जाते हैं, जिनका विवरण निम्नानुसार है:

i) स्निग्धकारक (Demulscents):

- यह औषधियाँ श्वसन मार्ग की म्युकोसा पर एक चिकनी रक्षात्मक परत बनाती हैं, जिससे रोगी को सूखी खांसी से राहत मिलती है और गले में भी आराम होता है।

उदाहरण:

- लिंक्टसेज (Linctuses)
- लोजेंजेस (Lozenges)
- लिकोरिस (Liquorice)
- ग्लिसरीन (Glycerine)

ii) कफ निस्सारक (Cough Expectorants):

- यह औषधियाँ सीरप के रूप में लेने पर श्वसन मार्ग में उपस्थित बलगम की श्यानता को कम करती हैं और श्वसन मार्ग में निकलने वाले स्राव को बढ़ा देती हैं।
- फलस्वरूप बलगम व अन्य हानिकारक पदार्थ श्वसन मार्ग से बाहर निकल जाते हैं।

iii) कासरोधी (Antitussives):

- यह औषधियाँ केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र पर कार्य करके या श्वसन मार्ग पर कार्य करके या दोनों तरीकों से खांसी को कम करती हैं।

एमब्रोक्सोल (Ambroxol)

- **संवेग:** श्लेष्मनाशक (Mucolytic)
- **उपयोग:** श्वसन रोगों में, जो फेफड़ों में बलगम या श्लेष्मा के जकड़ने से होते हैं।
- **उपलब्धता:** गोली (Tablets), द्रव (Syrup), बुँदे, इनहेलर (Inhaler)
- **मात्रा:**
  - मुँह द्वारा (Oral)
    - वयस्क: 60 से 120 mg प्रतिदिन, 2 या 3 बराबर विभाजित मात्राओं में
    - बच्चा:
      - ✓ 2 वर्ष से कम आयु: 7.5 mg दो बार
      - ✓ 2 से 5 वर्ष: 7.5 mg दो या तीन बार
      - ✓ 6 से 12 वर्ष: 15 mg दो या तीन बार
- **निषेध:** अतिसंवेदनशीलता
- **दुष्प्रभाव:** हल्के जठरांत्रीय प्रभाव एवं प्रत्यूर्जन प्रतिक्रियाएं (allergic reaction)

कोडीन (Codeine)

- **संवेग:** खांसी मंदक (Cough suppressant), दर्द नाशक (Analgesic), नशीली (Narcotic)
- **अन्य नाम:** कोडीन फॉस्फेट, कोडीन सल्फेट, मेथाइल मोर्फिन
- **उपयोग:** मंद से तीव्र दर्द, खांसी
- **उपलब्धता:** गोली, सीरप व अन्य औषधियों के साथ संयुक्त रूप में
- **मात्रा:**
  - वयस्क: 15–30 mg, दिन में 3–4 बार, अधिकतम 240 mg/दिन
  - बच्चा:
    - 1–5 वर्ष: 3 mg
    - 5–12 वर्ष: 7.5–15 mg, दिन में 3–4 बार
- **निषेध:** अतिसंवेदनशीलता, गर्भावस्था
- **विशेष सावधानियाँ:**

- अफीम युक्त दर्दनाशकों को आवश्यकतानुसार कम करें
- दमा, वातस्फीति, COPD, यकृत व गुर्दा खराब होने पर

- **दुष्प्रभाव:**
  - तंद्रालुता (Drowsiness), कब्ज (Constipation) — 10% से अधिक रोगियों में
  - कुछ में निम्न रक्तचाप, पित्ती, मिचली, उल्टी, सुई के स्थान पर जलन, कमजोरी
- **औषधि अंतःप्रभाव:** क्लोरप्रोमाजिन, डेलाविरडीन, फ्लूऑक्सेटिन, माइकोनाजोल — इसके प्रभाव को कम करते हैं

डेक्सट्रोमेथॉर्फ़ैन (Dextromethorphan)

- **संवेग:** खांसी मंदक (Cough suppressant)
- **उपयोग:** खांसी को कम करने हेतु
- **उपलब्धता:** चूसने की गोलियां (Lozenges), गोली (Tablet), सीरप (Suspension), अन्य औषधियों के साथ
- **मात्रा:**
  - **वयस्क:**
    - 10–20 mg हर 4 घंटे में या 30 mg हर 6–8 घंटे में
    - विस्तारित मुक्ति मुखीय विलयन: 60 mg दिन में दो बार, अधिकतम 120 mg/दिन
  - **बच्चा:**
    - 6–12 वर्ष: 5–10 mg हर 4 घंटे या 7.5 mg हर 6–8 घंटे
    - 2–6 वर्ष: 15 mg दिन में दो बार, अधिकतम 30 mg/दिन
  - **विस्तारित मुक्ति मुखीय विलयन:**
    - ✓ 6–12 वर्ष: 30 mg दिन में दो बार, अधिकतम 60 mg/दिन
    - ✓ 2–6 वर्ष: 15 mg दिन में दो बार, अधिकतम 30 mg/दिन
- **निषेध:**
  - श्वसन विफलता की संभावना वाले रोगी
  - उग्र आघात की अवस्था
  - मोनोअमाइन ऑक्सीडेज इन्हिबिटर (MAOIs) लेने वाले रोगी या बंद करने के दो सप्ताह तक
  - पुरानी या लगातार बनी रहने वाली खांसी
- **विशेष सावधानियाँ:**
  - गर्भावस्था के अंतिम त्रैमास में
  - धूल/कण एलर्जी से ग्रसित बच्चों में

- शिशुओं में प्रशांतक अवस्था या कमजोर रोगी
- उत्तान स्थिति में रहने वाले रोगी
- दमा का इतिहास, मध्यम से तीव्र गुर्दा कार्य-हानि, यकृत रोग

- **दुष्प्रभाव:** चक्कर आना, जठरांत्रीय विकार

नोट: चिकित्सक के परामर्श के बगैर किसी भी प्रकार की दवा का सेवन नही करना चाहिए ।

We Promote N.H.M. Run By Govt. Of India